14

- । स्यान्] नदीमातृको देवमातृकश् [च यथाक्रमं]॥ १२॥
- 2 [सुरान्ति देशे] राजन्वान्
- उ [स्यात् ततो उन्यत्र] राजवान्।
- 4 गोष्ठं गोस्थानकं
- 5 [तत् तु] गोष्ठीनं [भूतपूर्वकं]॥ १३॥
- ७ पर्यन्तभूः परिसरः
- त सेतुर् ग्राली [स्त्रियां पुमान्]॥ १४॥
- 8 वामलूर्रम् [च] नाकुम् [च] वल्मीकं [पुन्नपुंसकं]।
- ॥ अयनं वर्ल्म मार्गाध्व -पन्थानः पदवी स्तिः॥ १५॥
- 10 सर्गणः पद्धतिः पद्धा वर्तन्य् h एकपदी -[-ति च]।
- 12 व्यध्वो दुख्वो विषय: कद्ध्वा कापय: [समा:]।
- 15 ऋपन्थास् ^k [त्व] ऋपद्यं [त्त्वे]

शृङ्गाटक-चतुष्पद्ये॥ १९॥

(2) [Pays] gouverné par un roi juste. — (3) — gouverné par un monarque. — (4) Vacherie. — (5) Place d'une ancienne vacherie. — (6) Terrain voisin d'une rivière ou d'une montagne, etc. — (7) * Levée, digue, chaussée, portion de terre élevée qui sépare les champs et qui sert, durant l'inondation, pendant les pluies, au passage des voyageurs. [Wils. Dict.] — (8) Petite hauteur formée par des fourmis ou des taupes etc. — (9, 10) Route, chemin ou voie. — (11) Bonne route. — (12) Mauvaise route. — (13) Manque de route. — (14) Rencontre de quatre routes.

भातिः ou म्रात्तीः — b Ou वित्मकंः — e मार्ग-म्रध्वत्ः — d पथित्, पथत् ou पथः — o Ou पद्विः — f Aussi प्रार्णाः, सर्णो et प्रार्णोः — o Ou पद्भतिः — h वर्तनी ou वर्तनिः, aussi वर्त्मनिः ou वर्त्मनीः — t एकपदी ou एकपाद्ः — o Ou कुपथः — h म्रपथित्ः